आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

संकटचौथ की हार्दिक शुभकामनायें

बर्ष :13 अंक :374 पृष्ठ -4 दिनांक 17 जनवरी 2025 दिन शुक्रवार

वाराणसी में दिखा महाकुंभ का असर,बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु

लाखों श्रद्धालुओं काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा के दरबार में अपना माथा टेक रहे हैं.

महाकुंभ 2025 आयोजन के दौरान काशी में 10 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया गया था. ऐसे में इसे प्रयागराज महाकुंभ के पलट प्रवाह के तौर पर भी देखा जाता है. वहीं बुधवार के दिन से ही काशी में इस पलट प्रवाह को अनुभव किया जा रहा है. काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव मंदिर, गंगा घाट सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर महाकुंभ से आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ देखी गई.प्रयागराज महाकुंभ 2025 आयोजन के दौरान काशी में 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया गया था. इसी क्रम में बुधवार से काशी में प्रयागराज महाकुंभ का पलट प्रवाह देखा जा रहा है. प्रयागराज महाकुंभ के श्रद्धालु काशी विश्वनाथ धाम, गंगा घाट, काशी कोतवाल काल भैरव मंदिर, संकट मोचन मंदिर, शीतला माता मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर पूजन करते हुए दिखाई दे रहे हैं. ऐसे में इन स्थलों पर खासतौर पर सुरक्षाकर्मी और मंदिर प्रशासन के लोगों को भीड़ नियंत्रित करने के लिए तत्परता दिखानी पड़ रही है. काशी विश्वनाथ मंदिर में तो

बुधवार के दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे.पूरे महाकुंभ के दौरान रहेगी काशी में भीड़धर्म नगरी काशी में अनेक प्राचीन स्थल है और संगम तट पर महाकुंभ आयोजन के बाद आने वाले श्रद्धालु काशी के अलग–अलग धार्मिक स्थल पर पहुंचेंगे. इस दौरान वाराणसी के साथ–साथ चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, अयोध्या, लखनऊ, सुल्तानपुर, सहित अन्य राज्यों के भी श्रद्धालु महाकुंभ से लौटते समय काशी के इन धार्मिक स्थलों पर पहुंचेंगे. इस दौरान सुरक्षा कर्मियों के सामने भी अलग–अलग धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रित करने की एक बड़ी चुनौती होगी. काशी विश्वनाथ धाम देश–विदेश से हर रोज लाखों की संख्या में भक्त व श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए वाराणसी पहुंचते हैं. महाकुंभ आयोजन के दौरान काशी विश्वनाथ धाम भक्तों की भीड़ देखी जा रही है.

फिरोजाबाद में मामी को दिल दे बैठा भांजा, इश्क में रूकावट बने मामा को . उतारा मौत के घाट, दो गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में अवैध संबंध में रिश्तों के कत्ल का सनसनी खेज मामला सामना आया है, यहां थाना खैरगढ़ इलाके में मामी के इश्क में मशगूल भांजे ने अपने मामा का ही कत्ल कर दिया. वहीं इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस ने इस मामले में परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज कर शव को पीएम के लिए भि. जवाया. साथ ही इस हत्याकांड के दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई करने में जुट गई.जानकारी के मुताबिक, थाना खैरगढ़ के बैरनी गांव में 42 वर्षीय सत्येंद्र की हत्या उसकी पत्नी रोशनी और उसके भांजे गोविंद ने गला घोटकर कर दी. अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अखिलेश भदोरिया के मुताबिक सत्येंद्र की पत्नी रोशनी ने आज दोपहर में अपनी पति की मौत की सूचना पड़ोसियों की दी थी, उसका कहना था कि उसके पति की अचानक मौत हो गई है.पुलिस ने मामी और भांजे को किया गिरफ्तार सत्येंद्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के चलते सत्येंद्र के भाई ने उसकी मौत की सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने सत्येंद्र के शव को कब्जे में लेकर पं. चनामा भरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इसी दौरान सत्येंद्र के भाई ने अपनी भाभीरोशनी और भांजे गो. विंद पर शक जाहिर करते हुए दोनों के खिलाफ तहरीर दी. पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया.पुलिस के मुताबिक, सत्येंद्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई है. हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों से जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो रोशनी और गोविंद ने सत्येंद्र की हत्या करने का अपराध स्वीकार कर लिया. पुलिस कर रही मामले में कार्रवाई पुलिस के मुताबिक, सत्येंद्र के भांजे गोविंदा और उसकी पत्नी के बीच अवैध रूप से प्रेम संबंध पनप गए थे. सत्येंद्र को यह बात पता चल गई और वह इन दोनों के बीच बाधा बन गया, जिसके चलते उसकी पत्नी और भांजे ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया. पुलिस ने दोनों हत्या आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

5 लाख रूपये बिजली की .बकाया राशि कराई जमा

कासगंज/संवावदाता अमित कुमार कस्बा सहावर के मुहल्ला इमामबड़े में मंगलवार को विद्युत निगम द्वारा एक मुश्त समाधान योजना के लिए विद्युत कैंप लगाया गया। कैंप में विद्युत के बकाएदारों ने पांच रुपये जमाकिए। अधिशासी अभियंता अजय कुमार सविता के नेतृत्व मेंओटीएस योजना के तहत कैंप लगाया गया। 50 उपभोक्ताओं ने पहुंचकर रजिस्ट्रेशन का लाभ उठाया। इसमें पांच लाख रुपए का बिजली बिल जमा किया गया। अधिशासी अभियंता अजय कुमार सविता ने बताया कि उर्जा निगम की ओर से बकाया बिल वसूलने के लिए एकमुश्त समाधान योजना चलाई गई है। इस योजना में उपभोक्ताओं को बिल में काफी अधिक मात्रा में छूट प्रदान की जा रही है। उपखंड अधिकारी गौरव वर्मा, अवर अभियंता अभिषेक वर्मा, शिवम, वसीम, अनिल कुमार, प्रवेश कुमार, अनूप मिश्रा, अमित शाक्य मौजूद रहे।

ट्रेनें व बसें कोहरे के कारण हुई लेट

कासगंज संवावदाता अमित कुमार जिले में दो दिन बाद फिर से कोहरे की दस्तक हो जाने का असर रेल व सड़क यातायात पर देखा गया। पाटिलपुत्र, कामाख्या व काशीपुर एक्सप्रेस ट्रेनें लगभग एक घंटा देरी से जंक्शन पर पहुंची। डिपो से रोडवेज की बसों के संचालन पर असर देखा गया। ट्रेनें बिलंब से डिपो से निकली। ऐसे में यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।जिले में शनिवार को रात के समय हुई बारिश के बाद कोहरा समाप्त हो गया था। इसे यातायात व्यवस्था पटरी पर लौट आई, लेकिन मंगलवार को फिर से कोहरे की दस्तक हो गई। इसका रेल व सड़क यातायात पर काफी असर रहा। मथुरा की ओर से आने वाली पाटिलपुत्र एक्स्प्रेस रात 3.43 बजे के स्थान पर 4.34 बजे, छपरा एक्सप्रेस रात 1.15 बजे के स्थान पर 1रू44 बजे,कामाख्या 5.55 बजे के स्थान पर सुबह 7.04 बजे , लखनऊ एक्सप्रेस 10रू45 बजे के स्थान पर दोपहर 12.03 बजे जंक्शन पहुंची। बरेली की ओर से आने वाली मथुरा मेला एक्सप्रेस सुबह 8.50 बजे के स्थान पर सुबह 10.02 बजे जंक्शन आई। कानुपर की ओर आने वाली काशीपुर एक्सप्रेस दोपहर 1.30 बजे के स्थान पर दोपहर 2.29 बजे जंक्शन पहुंची। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनों के संचालन पर भी कोहरे का असर देखा गया। कम दूरी की ट्रेनें भी 15 से 20 मिनट की देरी से आईं। डिपो से दिल्ली मार्ग पर चलने वाली बसें भी निर्धारित समय पर नहीं निकल सकी। सुबह के समय जाने वाली बसें आधा घंटा तक देरी से डिपो से निकली। दोपहर के समय बसों का संचालन विधिवत हुआ। कोहरे के चलते वाहन चालकों को दिक्कतें हुई। चालक धीमी गति से वाहन चलाते नजर आए। कोहरे का असर ट्रेनों के संच. ालन पर रहा। जंक्शन पर आने वाली कई ट्रेनें देरी से पहुंची। जंक्शन से चलने वाली ट्रेनों को समय से गंतव्य को रवाना किया गय– मनोज शर्मा, स्टेशन अधीक्षक कोहरे की वजह से डिपो से जाने वाली कुछ बसें निर्धारित समय से देरी से निकल सकी। कोई बस सेवा निरस्त नहीं की गई।– प्रवीन शर्मा, डिपो प्रभारी

आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियां हों लागू

कासगंज संवावदाता अमित कुमार राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक सोमवार को शहर के सोरो रोड स्थित बीएबी इंटर कॉलेज में हुई। बैठक में कर्मचारियों की समयस्याओं एवं केंद्र सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले यूपीएस गजट को लेकर चर्चा की गई। साथ ही आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियां लागू करने की मांग की गई। कर्मचारियों ने एकजुट होकर संघर्ष करने का निर्णय लिया।जिला महामंत्री रमेश चंद्र ने कहा कि आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियां लागू होनी चाहिए। जिस पर केंद्र सरकार बिल्कुल मौन एवं नकारात्मक रुख अख्तियार कर चुकी है। केंद्रीय वेतन आयोग कमेटी का गठन भी अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से अपनी विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने की मांग की।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वर्ष 2024 को संघर्ष वर्ष घोषित किया गया उसी प्रकार 2025 को सतत संघर्ष वर्ष एवं 2026 को सर्वोच्च संघर्ष वर्ष घोषित किया है। यूपीएस पर केंद्रीय गजट होने के बाद अगली सतत संघर्ष की रणनीति इलाहाबाद प्रयागराज कुंभ में एक एवं दो मार्च को केंद्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व द्वारा तय होगी। संचालन रमेश चंद्र वर्मा मंत्री ने किया।

संभल में बिजली चोरों के खिलाफ विद्युत विभाग का बड़ा एक्शन, एक महीने में बिजली चोरी के 1400 केस दर्ज

उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवम्बर को हुई हिंसा के बाद से जहाँ एक तरफ पुलिस और प्रशासन एक्शन में है तो वहीं विधुत विभाग भी बिजली चोरी रो. कने के लिए लगातार कार्रवाई कर रहा है. संभल में पिछले एक महीने में बिजली चोरी के 1400 मुकदमे दर्ज हुए हैं, जिसमे 16 मस्जिदें और दो मदरसे भी शामिल हैं. विधुत विभाग बिजली चोरो पर 11 करोड़ का जुर्माना लगा चुका है और 20 लाख की रिकवरी हो चुकी है. संभल में बिजली विभाग ने एक माह के भीतर बिजली चोरों के खिलाफ तगड़ा एक्शन लिया है.सपासांसद जियाउर्रहमान बर्क के यहां बिजली चोरी पकड़े जाने का मामला सामने आने के बाद अब तक विभाग की ओर से 1400 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है, इनमें 16 मस्जिदें और 2 मदरसे भी शामिल हैं. इस मामले में बिजली विभाग ने 11 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है. संभल में बिजली चोरी को लेकर धड़ पकड़ जारी है.बिजली विभाग ने सपा सांसद पर लगाया था जुर्मानाबता दें कि बीते 14 दिसंबर को संभल जिलाप्रशासन ने बिजली विभाग के अधिकारियों केसाथ सपा सांसद के इलाके में बिजली चेकिंग अभियान चलाया था. इस दौरान अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी थी. वहीं सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर पर भी बिजली विभाग ने बिजली चोरी पकड़ी थी. बिजली विभाग ने सपा सांसद पर बिजली चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था और उन पर 1.91 करोड़ का जुर्माना भी लगाया था. बिजली विभाग की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है.विधुत विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि, संभल सदर इलाके में अब तक 1400 बिजली चोरी के मुकदमे दर्ज किए गए हैं. इनमें 16 मस्जिद तथा दो मदरसे भी शामिल है. बिजली चोरों के खिलाफ 11 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है. जबकि 20 लाख की वसूली की गई है. जब से यह अभियान चलाया जा रहा है. तब से 22 मस्जिद तथा 1 गिरजाघर के नए कनेक्शन के लिए आवेदन भी आए है. रात में फीडर पर दस बजे से सुबह 4 बजे तक लोड अधिक रहता था तो ऐसे स्थानों को चिन्हित करके रात में चेकिंग अभियान चलाया गया. वहीं दो दिन पहले 42 लोगों पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है. संभल में विधुत विभाग लगातार बिजली चेकिंग कर रहा है और बिजली चोरी करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है.

हर्षा रिछारिया पर एक और महामंडलेश्वर ने उठाया सवाल

महाकुंभ में आईं हर्षा रिछारिया के पहले अमृत स्नान में शामिल होने और महामंडलेश्वर के शाही रथ पर सवार होने पर विवाद होता दिख रहा है. साधु–संतों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है. वहीं ज्योतिष पीठ के शंक. राचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी उन्हें लेकर सवाल उठाए थे. जिसका श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर मां योग योगेश्वरी यति ने भी समर्थन किया है. उन्होंने कहा कि हर्षा को इस तरह सामने आने से बचना चाहिए. महामंडलेश्वर मां योग योगेश्वरी यति ने कहा कि हर्षा रिछारिया ग्लैमर की दुनिया से हैं अगर उन्हें ये सब करना है तो कम से कम 12 साल गुमनाम तरीके से तप करना चाहिए था. सब का पिछला जीवन होता है इसमें कोई बात नहीं है लेकिन उन्हें शाही रथ पर नहीं चढ़ना चाहिए था. बाकी और भी और सन्यासियां हैं जो चुपचाप भीड़ में चलती है. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने जताई थी आपत्तिदरअसल शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने हर्षा रिछारिया को लेकर बड़ा बयान दिया था. उन्होंने कहा कि जो अभी तक ये तय नहीं कर पाया है कि उसे शादी करनी है या संन्यास की दीक्षा लेनी है, उसे संत महात्माओं के शाही रथ पर जगह दिया जाना सहीं नहीं है. वो जिस तरह से भगवा कपड़े पहनकर शाही रथ पर बैठी वो पूरी तरह से गलत था. उन्हें आम श्रद्धालुओं के तौर पर शामिल होना चाहिए था. हर्षा रिछारियां के रथ पर सवार होने पर विवास्वामी अविमुक्तेश्व. रानंद ने कहा कि इस तरह की परंपरा शुरू करना गलत है. महाकुंभ में चेहरे की सुंदरता नहीं बल्कि हृदय की सुंदरता देखनी चाहिए. उन्होंने विकृत मानसिकता का परिणाम बताया. बता दें कि हर्षा रिछारिया पहले अमृत स्नान में निरंजनी अखाड़े के छावनी प्रवेश के दौरान एक रथ पर संतों के साथ रथ पर बैठी दिखाई दीं थी. जिसके बाद से कई साधु संतों ने इस पर आपत्ति जताई हैहालांकि इस पूरे विवाद पर हर्षा रिछारिया ने भी अपनी सफाई दी है. उन्होंने कहा कि मैंने कभी ये नहीं कि मैं साध्वी हूं. इसके लिए जो तपस्या और दीक्षा लेनी होती है वो मैंने नहीं ली है. मैं सिर्फ अपने धर्म का प्रचार करना चाहती हूं. ताकि युवाओं को अपने धर्म के प्रति आकर्षित किया जाए और मैं सनातन धर्म के लिए काम करना चाहती हूं.

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में शीतलहर के चलते जनपद के प्राथमिक

उच्च प्राथमिक, इंटर कालेज और पब्लिक स्कूलों में कक्षा आठवीं तक बच्चों का 18 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है. वहीं नोएडा–एनसीआर में ग्राफ 4 लागू होने के बाद गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों को नर्सरी से कक्षा 5 तक और कक्षा 6 से 9 के साथ 11वीं की भी क्लास हाइब्रिड मोड पर संचालित करने का निर्देश जारी किया है, ये निर्देश अगले निर्देश तक लागू रहेगा.इसके साथ ही मेरठ में भीषण सर्दी और कोहरे के चलते 18 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी हुई है. डीएम दीपक मीणा ने 8वीं क्लास तक के स्कूलों की छुट्टी के आदेश दिए हैं. वहीं बागपत में सर्दी को देखते हुए कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों में 16 जनवरी से 18 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया.

रसलगंज की रौनक को बदरौनक बनाने वाले आये नगर निगम के रडार पर

रसलगंज दुकानदारों को दुकान की परिधि में रहने की नसीहत

अलीगढ़ रसलगंज फसाड की खूबसूरती बिगाड़ने वालो पर होगी कार्यवाई–नगर आयुक्त की चेतावनी सामान होगा जब्त होगी वैधानिक कार्यवाईदो दिन की मो. हल्लत–चलेगा अभियान–दुकानदारो को रहना होगा दुकान की परिधि में एवं अनिवार्य रखने होंगे दो कूड़ेदानस्मार्ट सिटी मिशन के तहत अलीगढ़ स्मार्ट सिटी द्वारा शहर में फसाड इम्प्रूवमेंट के तहत रौशन हुए रसलगंज रोड की खू. बसूरती को स्थानीय दुकानदार अपने अतिक्रमण से बद रौनक बनाने की को. शिश कर रहे है ऐसे लोगों पर अब नगर निगम ने शिकंजा कसने का मन बना लिया है। नगर आयुक्त ने रसलगंज से बारहद्वारी तक में अतिक्रमण व गंदगी करने वाले दुकानदारो को बड़े प्यार से समझाया और न मानने पर अतिक्रमण जब्त करने की चेतावनी भी दी।बुधवार देर रात्रि नगर आयुक्त विनोद कुमार ने अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव के साथ रसलगंज में निरीक्षण किया नगर आयुक्त ने रसलगंज में कई खाने के होटल, चाय वालो, बिस्कुटध्पापे, सब्जी वालो, कैमिस्ट विक्रेता दुकानदारो से बात की। नगर निगम द्वारा उक्त मार्किट में कचरा उठान का काम

संतोषजनक होने के बारे में दुकानदारों बताया गया लेकिन दुकानदारों द्वारा डोर टू डोर शुल्क जमा नही करने के बारे में दुकानदारों से पूछा। नगर आयुक्त ने कई दुकानदारों से दुकान के शटर के बाहर फसाड पिलर तक सामान रखने की पूछा नगर आयुक्त ने साफ कहा फसाड की खूबसूरती से खिलवाड़ किसी भी दशा नही किया जाएगा–दो दिन की मोहल्लत से सभी के पास है समयावधि बीत जाने पर नगर निगम बलपूर्वक कार्यवाई करते हुए सामान जब्त करेगा व संबंधित अतिक्रमण कर्ता दुकानदार के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाई भी करेगा।नगर आयुक्त ने कहा आने वाले समय में रसलगंज शहर की खूबसूरती और व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनने जा रहा है इस मार्किट की खूबसूरती को खराब करने वालो पर सख्त कदम उठाया जाएगा।निरीक्षण में नगर आयुक्त के साथ अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह मीडिया सहायक अहसान रब स्टेनो देश दीपक साथ थे।

अलीगढ़ पुलिस ने 13 साल से फरार चल रहे आरोपी को किया गिरफ्तार,

अलीगढ़ पुलिस ने 13 साल पहले हुई हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना गोंडा पुलिस ने अभियान चलाया था. पुलिस ने आरोपी पर 25000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार जाल बिछा रही था लेकिन वह पुलिस को चकमा दे कर फरार हो जाता था. दरअसल थाना गोंडा पुलिस ने पुराने आरोपियों की कुंडली खंगालते हुए उनको पकड़ने का अभियान तेज कर दिया. पुलिस गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने में जुट गई है.पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने साल 2012 में हत्या की वारदात को अंजाम दिया था, जिसको लेकर पीड़ित नरेन्द्र पुत्र नौबत निवासी मथुरा ने अपने भाई राजवीर पुत्र हरिदास निवासी मथुरा, जयवीर पुत्र नौबत सिंह मथुरा की गोली मारकर हत्या करने के आरोप लगाते लगाया था. इस सम्बन्ध में थाना गोंडा पर मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसमें आरोपी हरेन्द्र बाबू तभी से लगातार

फरार चल रहा था. इस मामले में थाना गोंडा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी हरेन्द्र पुत्र रामबाबू निवासी हीरपुर हुसैनपुर थाना गोण्डा जनपद अलीगढ को गिरफ्तार किया है.आरोपी पर घोषित था 25 हजार का इनाम पुलिस ने बताया कि, आरोपी मौजूदा समय मे राजीव कॉलोनी थाना सेक्टर 58 बल्लवगढ़ जनपद फरीदाबाद हरियाणा में रह रहा था. पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही. कार्रवाई के बावत एसपी ग्रामीण अमृत जैन ने जानकारी देते हुए बताया गया कि, अलीगढ़ के थाना गोंडा पुलिस ने 13 साल से फरार चल रहे आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की. एसपी ने ग्रामीण ने बताया कि, आरोपी के ऊपर 25,000 का इनाम था. मुखबिर की सूचना के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, मामले में वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है. उक्त आरोपी के खिलाफ हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज था.

जिले भर में 24-26 जनवरी तक उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रमों का होगा आयोजन

अलीगढ़ जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में 24 से 26 जनवरी तक जिले भर में उत्तर प्रदेश दिवस को पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के लिए कलैक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आहूत की गई। डीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य का स्थापना दिवस 24 जनवरी को वर्ष 2018 से निरन्तर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने त्रिदिवसीय (24–26 जनवरी) आयोजन में समस्त विभागों को अपनी सहभागिता सु. निश्चित करने के निर्देश दिये। श्श्उत्तर प्रदेश दिवसश्श आयोजन की मुख्य थीम श्श्विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेशश्श है।डीएम ने कहा कि इस वर्ष श्श्उत्तर प्रदेश दिवसश्श पर जिला स्तरीय आयोजन कल्याण सिंह हैबीटेट सेंटर में आयोजित किया जायेगा, जिसके लिए पंचायती राज विभाग को नोडल बनाया गया है। कार्यक्रम में निवेश एवं रोजगार, एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, कृषि, स्वास्थ्य, उद्यान, पशुपालन एवं अन्य विभागों के उत्पादों व योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। समारोह में नवीन कृषि तकनीकों पर आधारित प्रदर्शनी के अतिरिक्त मिलेट्स (मोटे अनाज) से बने खाद्य पदार्थों को भी प्रदर्शित किया जायेगा। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों को

लाभान्वित करने एवं प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ–साथ कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित सेमीनार, परिचर्चा का भी आयोजन किया जायेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को भी पुरस्कृत किया जाए। सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि 24 जनवरी को सभी विकास खण्डों एवं 25 जनवरी को जिलास्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाएगा। 25 जनवरी को अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम में मतदाता जागरूकता दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रथम बार मतदाता बनने वाले युवाओं को वोटर आईडी कार्ड वितरित किये जाएंगे। इस अवसर पर खेल विभाग द्वारा खेल से संबंधित विभिन्न पुरस्कार वितरण के साथ विशिष्ट सफल प्रतिभाओं को सम्मा. नित किया जायेगा। सीडीओ ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस–2024 के अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का विवरण एवं फोटोग्राफ्स संस्कृति विभाग के पोर्टल https://cturelevent. पद पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, डीडीओ आलोक आर्या, डीपीआरओ मौ0 राशिद, पीओ डूडा कौशल कुमार समेत समस्त एसडीएम एवं जिलास्तरीय व पुलिस विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर आयोजित किये जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम

अलीगढ़ जिलाधिकारी विशाख की अध्यक्षता में 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करने के लिए कलैक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ जिला समारोह समिति की बैठक का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर 26 जनवरी को जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिसके तहत प्रातः 8:30 बजे सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तत्पश्चात राष्ट्रगान, भारतीय संविधान में उल्लिखित संकल्प का स्मरण के पश्चात राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, धर्मनिरपेक्षता और साम्प्रदायिक सौहार्द से ओतप्रोत उद्बोधन एवं विभिन्न स्कूलों के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिलाधिकारी विशाख जी0 ने बताया कि जिले में गणतंत्र दिवस समारोह परम्परागत रूप से हर्षोउल्लास के साथ मनाया जायेगा। उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुये बताया कि प्रातः 5:00 से पब्लिक एड्रैस सिस्टम पर देशभक्ति गीतों का प्रसारण किया जायेगा, प्रातः 07 बजे एक प्रभात फेरी का आयोजन होगा जो घण्टाघर पार्क से कठपुला रसलगंज होते हुये गॉधी पार्क तक जायेगी। प्रातः 8:30 बजे समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी इमारतों पर ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं संकल्प कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्रातः 9:00 बजे पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड पर ध्वजारोहण में पुलिस, पीएसी, होमगार्ड,

अग्निशमन गाडियां भाग लेंगी। प्रातः 10 बजे समस्त शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण, खेल. कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि इस अवसर पर देश के लिए बलिदान देने वाले वीर शहीदों के साथ ही बच्चों को भारतीय संस्कृति के बारे में अवगत कराएं ताकि उन महान लोगों की जीवनी सुनकर बच्चे प्रोत्साहित हो सकें और चरित्रवान बन अच्छे नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य निभाएं।प्रातः 11 बजे जिला कारागार में राष्ट्रीय पर्व के कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा मध्यान्ह 12 बजे सेवाभवन में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान एवं गोष्ठी होगी। रघुवीर सहाय इंटर कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे एवं मलखान सिंह, दीनदयाल, मोहन लाल गौतम चिकित्सालयों में समस्त मरीजों को फल व मिष्ठान वितरित किया जायेगा। अपरान्ह 2 बजे मार्च पास्ट कार्यक्रम को आयोजन होगा जो कि नौरंगीलाल इंटर कॉलेज से रसलगंज बारहद्वारी, पत्थर बाजार, मामूभांजा, गॉधीपार्क व जीटी रोड होते हुये नौरंगीलाल कौलेज पर समाप्ति होगी जिसमें पुलिस, पीएसी, एनसीसी, अग्निशमन व स्काउट की गाडियां सम्मिलित होंगी।जिलाधिकारी ने कहा की सरकार की मंशा है कि 24 जनवरी से 26 जनवरी तक सभी सरकारी भवनों को विद्युत रोशनी से जगमग किया जाए। उन्होंने 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाताओं को जागरूक कर उन्हें मतदाता शपथ दिलाएं। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजनों को स्मृति चिन्ह, मिष्ठान एवं फल वितरित करने के भी निर्देश दिए।बैठक में सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, डीडीओ आलोक आर्या, डीपीआरओ मौ0 राशिद, पीओ डूडा कौशल कुमार समेत समस्त एसडीएम एवं जिलास्तरीय व पुलिस विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाकियू सुनील महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता सिंह व प्रदेश अध्यक्ष बने संदीप त्यागी

अलीगढ।भारतीय किसान यूनियन सुनील की आवश्यक बैठक रामघाट रोड पर स्थित रेड चिल रेस्टोरेंट मे राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी ने नवनियुक्त महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता सिंह व प्रदेश अध्यक्ष के पद पर संदीप त्यागी को नियुक्त किया।संगठन के नवनियुक्त दोनो ही पदाधिकारियो का फूल मालाओ के साथ भव्य स्वागत किया गया।पत्रकारो को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन सुनील लगातार किसानो व मजूदरो की लड़ाई को शासन प्रशासन से लड़ता हुआ आयोजन रहा।संगठन किसी भी किसान व मजदूर का उत्पीड़न बिल्कुल बर्दाश्त नही किया जा रहा।किसान अन्न को पैदा करने वाला दाता होता है मगर इस सरकार मे लगातार किसानो का उत्पीड़न किया जा रहा है। आज किसान अपनी लड़ाई को लडने के लिए इस भीषण ठंड मे धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होता हुआ नजर आ रहा है। महिला मोर्चा कविता शर्मा अनूपशहर मोनिका बुलंदशहर बबीता शर्मा, शशि देवरा गाजियाबाद चौधरी, कमलेश देवी रुक्मिणी देवी वीरवती देवी कुमिता देवी चिलकोरा जयवीर सिंह युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य इगलास चौधरी रतन सिंह जिला महासचिव ग्राम जटवार डॉक्टर बच्चू सिंह जिला उपाध्यक्ष चौधरी गुलबीर सिंह ठठोई प्रधान ग्रामशाहपुर राहुल गौतम जिला अध्यक्ष किशन सिंह लोधी देवेंद्र सिंह जिला महासचिव ललित कुमार जिला सचिव एहतेशाम शहर अध्यक्ष युवा जिला अध्यक्ष कौशल बघेल रवि मुकेश नितिन हितेश चौधरी मंडल अध्यक्ष जाट महासभा अलीगढ़ बनिया महानगर अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा अर्जुन चौधरी आदि मौजूद रहे

संगम एक्सप्रेस में हंगामा, यात्री सवार होने से रहे वंचित

प्रयागराज में महाकुंभ मेले को लेकर ट्रेनों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। इसको लेकर ट्रेनों में यात्रियों को सीट नहीं मिल रही है। इस क्रम में बुधवार देर रात प्रयागराज जा रही संगम एक्सप्रेस ट्रेन में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट से जुड़े कार्यकर्ताओं ने ट्रेन में सवार होने के लिए जमकर हंगामा काटा। इतना ही नहीं उन्होंने ट्रेन के दरवाजे तक बंद कर दिए। इससे ट्रेन में बैठने वाले यात्री उसमें सवार नहीं हो सके। इस बीच ट्रेन गंतव्य को रवाना हो गई। रेलवे के अधिकारी यात्रा करने से वंचित रहे यात्रियों को समझाने –बुझाने में देर रात तक जुटे रहे। प्रयागराज जा रही संगम एक्सप्रेस ट्रेन जैसे ही रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो ट्रेन में पहले से बैठे यात्रियों ने दरवाजे बंद कर लिए। रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के कार्यकर्ता इससे गुस्सा गए। उन्होंने पहले नारेबाजी करते हुए हंगामा काटा और बाद में ट्रेन की एसी कोच समेत कुछ बोगियां पर कब्जा जमा लिया और उनमें जबरन सवार हो गए। चूंकि ट्रेन में पहले से ही भीड़ थी, ऐसे में उन्होंने ट्रेन के दरवाजे भी बंद कर दिए। जिससे पहले से ही रिजर्वेशन कराकर यात्रा करने वाले तमाम यात्री ट्रेन में चढ़ने के लिए प्रयास करते रहे, परंतु अंदर से सारे दरवाजे बंद कर लिए गए थे। यात्रियों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया । जब दरवाजा काफी देर तक नहीं खोले गए तो उन्होंने जीआरपी व आरपीएफ को भी सूचना दी । मौके पर पहुंचे जवानों ने काफी देर तक प्रयास किया परंतु दरवाजे नहीं खुल सके। भीड़ और किसानों के हंगामा के चलते ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब 20 मिनट तक खड़ी रही। आरपीएफ और जीआरपी के अलावा रेलवे के अधिकारी और यात्रियों को समझने में जुटे रहे। रात करीब 11रू45 बजे ट्रेन को प्रयागराज के लिए रवाना कर दिया गया। इसके बाद ट्रेन में सवार होने से वंचित रह गए यात्रियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया।हालांकि रेलवे अफसर उन्हें दूसरी किसी ट्रेन में बैठने को लेकर उन्हें समझाने में जुटे रहे। आरपीएफ के पोस्ट कमांडर अमित कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ मेले को लेकर प्रयागराज जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में काफी भीड़ है। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने ट्रेन में चढ़ने के साथ ही दरवाजे बंद कर लिए थे। जिससे कुछ यात्री ट्रेन में सवार होने से रह गए। इन्हें दूसरी ट्रेनों से भिजवाने की व्यवस्था की जा रही है। बोले यात्री... ट्रेन में थर्ड एसी में कंफर्म रिजर्वेशन कराया था। परिवार और दोस्तों के साथ प्रयागराज जाना था, लेकिन किसानों ने जबरन ट्रेन पर कब्जा जमा लिया। जिससे वह ट्रेन में सवार नहीं हो सके। उनके साथ अभद्रता भी की गई। जीआरपी, आरपीएफ ने भी उनकी कोई मदद नहीं की। उल्टा अधिकारी उनको ही समझाते रहे।

हाथरस में भीषण शीतलहर का प्रकोप जारी

हाथरस में भीषण शीतलहर का प्रकोप जारी है। जिसका सबसे अधिक प्रभाव छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 100 से अधिक बच्चे खांसी, जुकाम, बुखार और कोल्ड डायरिया जैसी बीमारियों से पीड़ित होकर पहुंच रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महिला अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में भी बड़ी संख्या में बीमार बच्चों का इलाज किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों के साथ–साथ निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।जिला अस्पताल की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन सिरोही ने अभिभावकों को महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं, गुनगुना पानी पिलाएं और ठंडे पदार्थों से दूर रखें।साथ ही घर का तापमान नियंत्रित रखें। बच्चों को अनावश्यक रूप से ठंडी हवा के संपर्क में आने से बचाएं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में शीतलहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है। इसलिए अभिभावकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

रालोद नेता ने दबंगों के डर से परिवार के साथ किया पलायन, हाथरस पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

, हाथरस उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले का बहुचर्चित बुलगढ़ी गांव एक बार फिर चर्चाओं में है। यहां राष्ट्रीय लोकदल के जिला महासचिव सूरजपाल सिंह ने दबंगों के उत्पीड़न से तंग आकर अपने परिवार सहित गांव से पलायन कर लिया है। पानी निकासी को लेकर गांव के दबंग उन्हें और उनके परिवार को प्रताड़ित कर रहे थे और नाली जाम कर रखी है। विरोध करने पर मारपीट करते थे। आरोप है कि पुलिस से शिकायत की तो उन्होंने गालियां देकर थाने से भागा दिया।रालोद सूरजपाल सिंह नेता का कहना है कि वह पिछड़ी जाति से हैं। उन्होंने दबंगों से परिवार की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पत्र लिखा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। दबंग और पुलिस दोनों ही धमका रहे है। इस कारण उन्होंने परिवार समेत गांव छोड़ दिया। हालांकि प्रशासन के अधिकारी उन्हें घर पर समझाने के लिए गए हुए थे, उस समय तो उन्होंने अश्वासन दे दिया कि गांव छोड़कर नहीं जा रहे है।पानी निकासी को लेकर बवालमामला चंदपा कोतवाली क्षेत्र के बहुचर्चित बूलगढ़ी गांव का है। यह वही गांव है जो बिटिया कांड से देश में चर्चित हुआ था। फिर एक बार सुर्खियों में है। इसी गांव में रहने वाले राष्ट्रीय लोकदल के जिला महासचिव सूरजपाल सिंह का गांव के कुछ लोगों से नाली में गंदे पानी की निकासी को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि उनके घर के सामने लगे सरकारी हैंडपंप के पानी की निकासी के लिए बनी नाली को दबंगों ने रोक रखा है। इससे गंदा पानी उनके

प्लॉट में जा रहा है।उन्होंने जिला प्रशासन को साल 2022 से कई प्रार्थना पत्र दिए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी के आदेश के बाद भी नाली से पानी निकाला गया, लेकिन दबंगों ने फिर से नाली को रोक दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते है। इस मामले में पुलिस से भी शिकायत की गई। मंगलवार को सीएम योगी को पत्र लिखा कि कार्रवाई नहीं हुई तो परिवार समेत पलायन कर जाएंगे, लेकिन इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।पुलिस नेता से संपर्क करने में जुटीराष्ट्रीय लोक दल के नेता ने परिवार समेत पलायन करने की जानकारी होने पर चंदपा पुलिस सूरजपाल के घर पर तैनात की गई। बुधवार शाम जब उन्होंने सामान ले जाने के लिए लोडर मंगवाया तो अफसरों को सूचना दी गई। डीपीआरओ मौके पर पहुंची। अधिकारियों और पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। सूरजपाल की पत्नी और बेटी ने जान के खतरे का हवाला देते हुए जाने की गुहार लगाई। पुलिस ने सुरक्षा का आश्वासन दिया, उस समय तो वह मान गए। पुलिस के लौटने के बाद दबंगों के डर से देर शाम रालोद नेता ने अपने परिवार के साथ गांव छोड़ दिया। अब पुलिस रालोद नेता से संपर्क करने की कोशिश कर रहीं है।रालोद के जिला अध्यक्ष श्याम सिंह ने कहा है कि इस मामले की उनको जानकारी नहीं थी, लेकिन इस मामले को लेकर जिले के अधिकारियों से इस संबंध में वार्ता करेंगे। यह घटना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है, जहां एक सत्ताधारी राजनीतिक दल के पदाधिकारी को सुरक्षा के अभाव में अपना घर छोड़ना पड़ा। यह बहुत ही गलत संदेश है।

हाथरस में जुल्म के खिलाफ आवाज संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री बेबीरानी मौर्य ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए

हाथरस में जुल्म के खिलाफ आवाज संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री बेबीरानी मौर्य ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। मथुरा रोड स्थित अंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठी अफवाहें फैलाकर लोगों को बरगला रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कह चुके हैं कि भारत का संविधान कोई नहीं बदल सकता। मौर्य ने कांग्रेस पर डॉ. बी. आर. अंबेडकर का सम्मान न करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बाबा साहब को भारत रत्न से सम्मानित किया और उनके सम्मान में अनेक कार्य किए हैं।. उन्होंने जोर देकर कहा कि दलितों, पिछड़ों और सर्व समाज का हित केवल भाजपा में ही सुरक्षित है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अपनी बेटियों को जरूर पढ़ाएं। कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक चौधरी बिजेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी, प्रदेश

कार्यकारिणी सदस्य रामवीर सिंह भैयाजी, प्रीति चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।सामाजिक कार्यक्रम में आई थींइस अवसर पर काफी लोगों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की। संचालन सरदार सुजीत सिंह ने किया। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसी के साथ अन्याय होने पर उसके खिलाफ आवाज उठाना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा के बाबा साहब डॉ अंबेडकर ने संविधान लिखा जिससे कि किसी के साथ जुल्म न हो। उन्होंने कहा कि वह आज एक सामाजिक कार्यक्रम में यहां आई हैं।

हाथरस कृषि विभाग ने अवैध खाद फैक्ट्री पर की छापेमारी, मौके पर मची भगदड़

हाथरस । उत्तर प्रदेश में हाथरस के सासनी कोतवाली क्षेत्र के सांदलपुर गांव में कृषि विभाग ने पुलिस को साथ लेकर खाद बनाने की अवैध फैक्ट्री पर छापा मारा। जिस समय ये कार्रवाई की गई उस दौरान करीब तीन ट्रकों में माल बिना मार्का के कट्टों में भरकर भेजने की तैयारी की जा रही थी। टीम के पहुंचते ही मौके पर भगदड़ मच गई।अधिकारियों के अनुसार, मशीनें व करीब दो हजार कट्टे डीएपी, यूरिया और पोटाश के बरामद किए गए हैं। फैक्ट्री में खुले में डीएपी पड़ा हुआ था। लगभग 400 कट्टे डीएपी के पैक हो चुके थे। ट्रकों में भी डीएपी लदा हुआ था। एक तरफ यूरिया का पाउडर बनाया जा रहा था। यूरिया पाउडर बनाने के लिए मशीनें लगी हुई थीं। विभाग की टीम ने यूरिया, डीएपी और पोटाश के करीब दो हजार कट्टों को पांच ट्रकों में भरवा लिया। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फैक्ट्री संचालकों के पास न तो स्टोरेज और ना

ही उत्पादन संबंधी लाइसेंस है।जिला कृषि अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि हमें गोपनीय सूचना मिली थी कि सासनी कोतवाली क्षेत्र के सांदलपुर गांव में गंदे नाले के पास एक फैक्ट्री में उर्वरक का अवैध कारोबार हो रहा है। हमने पुलिस के साथ मिलकर टीम बनाकर छापेमारी की। हमें मौके पर लगभग दो हजार कट्टे डीएपी, यूरिया और एमओपी के मिले हैं। सभी माल को हमने जब्त कर लिया है। माल का आकलन किया जा रहा है। इसकी कीमत लगभग तीस लाख रुपये है। इस मामले में जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मौके पर फैक्ट्री संचालक मौजूद नहीं मिले हैं। माल को रुहेरी के राजकीय गोदाम में अपनी सुपुर्दगी में रख लिया है। यहां मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि अनुज भार्गव नाम के व्यक्ति की यह फैक्ट्री है। कट्टों को राजस्थान में केमिकल फैक्ट्रियों में सप्लाई किए जाने की बात सामने आ रही है। फिलहाल, जांच की जा रही है और जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिजली की करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत, पशु स्वामी ने थाने में दी शिकायत

हाथरस।शहर के गाँव नगला अलगर्जी में शुक्रवार को प्रातरू एक मजदूर की पैलोंन भैंस बिजली का करट लगने से मर गई। पुलिस ने मौके पर पंहुचकर घटनास्थल पर जांच की। भैंस स्वामी रिषी ने थाने में शिकायत दे दी है। जानकारी अनुसार मजदूर रिषि पुत्र अशोक जब अपनी भैंस को लेकर साकी कराने के लिए जा रहे थे, रास्ते में भैंस विदक गई और हाथों से छूटकर भाग गई। वंहा पर 11 हजार की लाइन जाल टूटा पडा था और जिसमें करंट आ रहा था, भैंस का पैर उस करंट का तार पर पड गया जिसने उक्त भैंस को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो कुत्ते भी बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। भैंस के स्वामी ने सीधे–सीधे विभाग को दोषी ठहराते हुए इन्द्र कमल धाम कालोनी मंडी समिति रोड़ मार्ग पर आक्रोशित होकर मुआवजा देने की माग उठाई। भैंस की कीमत लगभग सवा लाख रुपये बताई जा रही है। भैंस पालक ने थाने में शिकायत दे दी है और वंही पशु डाक्टर ने भैंस का पोस्ट मार्टम करने की कार्यवाही की है। अशोक कुमार, भीकम सिंह, अखिलेश, श्याम वीर, आकाश, आशीष कुमार, राघवेंद्र ने आरोप लगाया कि गाव के मंडी समिति रोड पर बिजली की जर्जर हालात बनी हुई है तथा गाव में अनेकों जगह तारे काफी नीचे लटके होने से आए दिन हादसा होने का भय बना रहता है लेकिन बिजली विभाग कुंभकर्णी नींद सोये हुए हैं।

हाथरस के सिकंदराराऊ में हुआ बड़ा हादसा, एक के बाद एक कई वाहन आपस में टकराए, रोड पर लगा जाम

हाथरस। जनपद हाथरस में गुरुवार की सुबह तड़के एक बड़ा हादसा हो गया, हादसे में कैंटर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। बता दें यह हादसा जिले के थाना कोतवाली सिकंदराराऊ क्षेत्र के मंडी समिति पुल के पास हुआ। बताया जा रहा है अलीगढ़ की तरफ से एटा की तरफ जा रही कैंटर चालक को नींद आ जाने कि, वजह से सड़क किनारे खड़े दूसरे कैंटर टकरा गई. हादसे के कैंटर चालक स्टेयरिंग के बीच में बुरी तरह फंस गया, वहीं घटना कोहरा होने की वजह से अन्य कई वाहन कैंटर से टकरा गए। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर स्टेयरिंग के बीच फंसे चालक को बाहर निकालकर सिकंदराराऊ के ट्रॉमा सेंटर भेजा, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल कैंटर चालक को गंभीर हालत में हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइवे से हटाकर हाइवे पर वाहनों का आवागमन सुचारू कराया।

सासनी के सांदलपुर में पकड़ी अवैध खाद फैक्टरी, 30 लाख कीमत के 2000 कट्टे बरामद

हाथरस।जिस समय फैक्टरी पर छापा मारा, उस समय करीब तीन ट्रकों में माल बिना मार्का के कट्टों में भरकर भे. जने की तैयारी की जा रही थी। टीम के पहुंचते ही मौके पर भगदड़ मच गई। कृषि विभाग ने 30 लाख कीमत के 2000 कट्टे बरामद किए हैं।जनपद के कृषि विभाग ने सासनी क्षेत्र के गांव सांदलपुर में छापा चल रही खाद बनाने की अवैध फैक्टरी पकड़ी है। यहां बिना लाइसेंस खाद का भंडारण किया गया था और उन्हें बिना मार्का के कट्टों में भरकर ट्रकों में लादा जा रहा था। मशीनें व करीब 2000 कट्टे डीएपी, यूरिया और पोटाश के बरामद हुए हैं। इन्हें केमिकल फैक्टरियों में सप्लाई किए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। कृषि विभाग ने बीती शाम पुलिस को साथ लेकर जिस समय फैक. टरी पर छापा मारा, उस समय करीब तीन ट्रकों में माल बिना मार्का के कट्टों में भरकर भेजने की तैयारी की जा रही थी। टीम के पहुंचते ही मौके पर भगदड़ मच गई। फैक्टरी में खुले में डीएपी पड़ा हुआ था। करीब 400 कट्टे डीएपी के पैक हो चुके थे। ट्रकों में भी डीएपी लदा हुआ था। एक ओर यूरिया का पाउडर बनाया जा रहा था। यूरिया पाउडर बनाने के लिए मशीनें लगी हुई थीं। कृषि विभाग की टीम ने यूरिया, डीएपी और पोटाश के करीब 2000 कट्टों को पांच ट्रकों में भरवा लिया। कृषि विभाग अधिकारियों का कहना है कि फैक्टरी संचालकों के पास न तो भंडारण का और न ही उत्पादन संबंधी लाइसेंस है।

हाथरस में फैल रहा है अवैध कालोनियों का मकड़ जाल

हाथरस। जनपद में अवैध कॉलोनियों का मकड़जाल चारों और फैल रहा है, जहां एक गरीब आदमी को अपना घर बनाने के लिए अपनी खून पसीने की कमाई का पूरा पैसा लगाना पड़ता है, पर उसे घर बनाने के बाद पता चलता है, जिस जमीन पर उसने घर बनाया है, वो जमीन घर बनाने के लिए, सरकारी कागजों में कहीं दर्ज ही नहीं है। एक घर बनाने के लिए आम आदमी को एक दो नहीं कई सारी परमीशन लेनी होतीी है, बिजली, पानी, सड़क, नक्शा आदि की परमीशन लेने के लिए उसे महीनों सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते है। इन चक्करों से बचने के लिए वो एक कॉलोनी में प्लॉट लेता है, पर मकान बनाने के बाद उसे पता चलता है कि इस कॉलोनी के लिए लाइट एप्रूड़ ही नहीं है, न कॉलोनी में पार्क होता न शीवर लाइन, न सड़क न सुरक्षा के कोई इन्तजाम, न इसका रजिस्ट्रेशन आबादी के लिए सरकारी कागजों में होता है। ऐसी एक या दो नही हाथरस से आगरा, अलीगढ़, मथुरा, बरेली, एटा, इगलास, जलेशर किसी भी मार्ग पर चले जाओं, कालोनियों दिख जायेंगी। उपजाउ खेतों में उसी खेत की मिट्टी को एकत्र कर सड़क बना कर उसके प्लॉट बना देते है, और हाजरों रूपए गज बेच कर गुम हो जाते है। आपकों यदि घर बनाना है तो लाखों रूपए खर्च करने के बाद भी आप को सही कीमत का घर नहीं मिलेगा, एक प्लॉट या मकान की कीमत आसमान को छती नजर आयेगी। एक दो नहीं आपको लाखों रूपए गज में जमीन मिलेगी वो भी बिना किसी सरकारी दस्. ताबेज में दर्ज हुए। शहरी सीमा से लगी किसानों की जमीन भू माफिया सस्ते दामों में ले लेते हैं और प्लॉट काटने लगते हैं। सरकारी और ग्रीन बेल्ट की जमीन भी भू माफिया नहीं छोड़ते हैं। बिजली, सड़क, ड्रेनेज जैसी सुवधिाएं अवैध कॉलोनियों में आ. सानी से मिल जाती हैं। अवैध कॉलोनी काटने में सबसे ज्यादा राजनीतिक संरक्षण होता है और जब भी कार्रवाई के लिए प्रशासन, विनियमित अधिकारी मौके पर जाते है, तो कॉलोनी बनाने वाला उसे छोड़कर चला जाता हैं, प्रशासनिक कार्यवाही का शिकार वहां घर खरीदने वाले माशूम नागरिक को भुगतना पड़ता है, सपनों का घर बनाने के बाद उस पर कार्यवाही को झेलना पड़ता है।आप कॉलोनी में प्लॉट या घर लेने से पहले करें पूरी जानकारी हाथरस। किसी भी कॉलानी को सबसे पहले रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण है परियोजना पंजीकरण आवश्यक होता है। सभी रियल एस्टेट परियोजनाएं जो 500 वर्ग मीटर से बड़ी हैं या जिनमें 8 से अधिक अपार्टमेंट हैं, उन्हें रेरा के साथ पंजीकरण कराना होगा। बिल्डरों को परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी देनी होगी, जिसमें लेआउट, योजना और स्थान शामिल होंगे। लेकिन रेरा तो दूर यंहा तो बड़ी संख्या में कट रही कॉलोनियों ने खेती की जमीन को आबादी में भी परिर्वतित नहीं कराया है।

मेहनत करने के बाद भी धन नहीं आ रहा है तो शुक्रवार को लक्ष्मी जी करें ये पावरफुल उपाय

कई बार जीवन में ऐसा होता है कि मेहनत, ईमानदारी और पूरी लग्न से कार्य करने के बाद भी व्यक्ति को कामयाबी नहीं मिल पाती, जिसके वो हकदार होते हैं. करियर हो फिर कारोबार हर तरफ से निराशा ही निराशा मिलती है.सबकुछ ठीक होने के बाद भी भाग्य आपका साथ नहीं दे रहा है तो ऐसे में हो सकता है आपके जाने–अनजाने काम के कारण लक्ष्मी जी नाराज हो. मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार को विशेष उपाय जरुर करें, मान्यता है इससे आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से परेशानियों का अंत होता है.धन लाभ के लिए शुक्रवार को करें ये उपाय सिक्के का उपाय – शुक्रवार के दिन एक रुपये का सिक्का लें और उसे अपने मन्दिर में मां लक्ष्मी के चरणों में रखें. विधिवत पूजा पाठ करें. माता लक्ष्मी को फूल, अष्टगंध आदि अर्पित करें और अगले दिन उस सिक्के को उठाकर एक लाल कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार शुक्रवार के दिन ये उपाय करने से मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं. दुर्भाग्य दूर होता है सौभाग्य की प्राप्ति होती है.लाल कपड़ा और कौड़ी– व्यापार नहीं चल रहा, घाटा हो रहा है तो शुक्रवार के दिन अपनी दुकान के कैश बॉक्स या फिर कहें धन रखने वाली आलमारी में लाल कपड़े में पीली कौड़ी बांधकर रख दें. इस पोटली को एक माह तक वहीं रखें रहें, पूर्णिमा और हर शुक्रवार को इसकी पूजा करें. मान्यता है इससे धन आगमन के रास्ते खुलते हैं. कैश बॉक्स का मुंह उत्तर या पूर्व की ओर रखें.मिट्टी कलश–चावल – ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार शुक्रवार के दिन एक छोटा–सा मिट्टी का कलश लें और उसमें चावल भर दें. इसके बाद चावल के ऊपर एक रुपये का सिक्का और एक हल्दी की गांठ रख दें. फिर इस पर एक ढक्कन लगाकर, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद लेकर उसे किसी पुजारी को दान कर दें. मान्यता है कि इससे धन संपदा में बढ़ोत्तरी होती है.

नागा संन्यासी क्यों करते हैं खुद का पिंडदान, क्या है इसका महत्व

इंसान का शरीर जब शांत होता है, आत्मा का परमात्मा में मिलन होता है तब हिंदू मान्यताओं के अनुसार जीव का पिंडदान किया जाता है. वहीं संन्यासी और नागा संन्यासियों की बात करें तो यह लोग जीते जी खुद का पिंडदान (च्यदक क्ंद) करते हैं. आइए आपको बताते हैं क्या होता है पिंडदान का महत्व और क्यों नागा संन्यासी करते हैं जीते जी पिंडदान.पिंडदान शब्द कहां से आयापिंडदान शब्द गर्भाधान संस्कार से आया है. गर्भाधान संस्कार तब होता है जब मां के गर्भ में बच्चा आता है, वो बच्चा सबसे पहले पिंड के रूप में आता है और उसमें जब जीव आने को होता है तब वह पिंड के रूप में आता है. जीव पिंड के रूप में ही मां के गर्भ में प्रवेश करता है और जब व्यक्ति का देहावसान हो जाता है तो उसको बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है तब उसके परिवार के लोग उसी पिंड का पिंडदान करते हैं.क्यों होता है पिंडदानपंचायती निरंजनी अखाड़ा प्रमुख महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी जी महाराज (च्तमउंदंदक च्नतप श्रप डं. ीतंर) कहते हैं कि, जीव जो पिंड के रूप में मां के गर्भ में आया था. ऐसा माना जाता है कि जब जीव का पिंडदान होता है तो जीव के मां के गर्भ में आने और परमात्मा के पास जाने तक की यात्रा को पिंडदान यात्रा कहते हैं. परिवार के लोग जब पिंडदान करते हैं तो ऐसा माना जाता है कि उसकी मुक्ति हो गईनागा साधु या संन्यासी क्यों खुद करते हैं अपना पिंडदानपंचायती निरंजनी अखाड़ा प्रमुख महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी जी महाराज कहते हैं कि, सन्यास में आने का एकमात्र मतलब है न्यासों से वृत्ति और न्यासों से वृत्ति के लिए एकात्म होना आवश्यक है और एकात्म होने के बाद फिर हमारा कोई सगा संबंधी नहीं होता है. फिर संसार का हर जीव हमारा अपना होता है और संसार के हर जीव को हम अपना मानते हैं और हम अपना जीवन जीते हैं. प्रेमानंद पुरी जी महाराज कहते हैं कि संन्यासी हमेशा स्वयं का इसीलिए पिंडदान करता है क्योंकि जब कोई संन्यास लेता है तो यह मान लिया जाता है कि हमारा नया जन्म हो गया और जब नया जन्म हो गया तो जब हमारी मृत्यु होगी तभी तो हमारा नया जन्म होगा. संन्यास की परंपरा में नया जन्म प्राप्त करने के पहले हम अपने पुराने जन्म का खुद से पिंडदान करते हैं तभी हम संन्यासी बनते हैं और उसके बाद ही नागा बनते हैं.पिंडदान में गया का क्या है महत्वहिंदू धर्म में गया में पिंडदान की एक अलग मान्यता है. इसे लेकर प्रेमानंद पुरी जी महाराज कहते हैं कि, गया में पिंडदान इसलिए किया जाता है क्योंकि वहां एक फल्गु नदी है, उसका बड़ा महत्व है. हालांकि मां गंगा और फल्गु नदी का महत्व बराबर का होता है. फल्गु के बारे में शास्त्रों में कहा गया है कि यहां पर कामधेनु को पकड़कर मुक्ति हो जाती है, वहीं उनका कहना है कि गंगा में जब पिंडदान होते हैं तो वहां कहा जाता है कि यह कामधेनु स्वरूप है, गंगा भी मोक्ष दायनी है और बैकुंठ का द्वारा मिलता है. इसलिए मां गंगा के तट पर भी लोग पि. ंडदान करते हैं. वहीं गया को लेकर के शास्त्रों में एक अलग विशेष स्थान दिया गया है.भगवान श्रीकृष्ण के पूर्वजों का पि. ंडदान हुआ था उज्जैन मेंछं"कीनरू प्रेमानंद पुरी जी महाराज कहते हैं कि, मान्यता सभी की बराबर है जहां भी हमारे तीर्थ बने वह तीर्थ देश की स्थितियों के हिसाब से बने. पुराने समय में लोग बैलगाड़ियों से जाते थे, पैदल जाते थे तो इसलिए हर क्षेत्र में एक अपना तीर्थ था.हर जगह एक अपनी पवित्र नदी है और उस नदी का उतना महत्व है जितना फाल्गुन नदी का है. उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण के पूर्वजों का पिंडदान उज्जैन में हुआ था. उज्जैन में सिद्ध वाट नाम की जगह पर भगवान श्री कृष्ण के सारे पूर्वजों का पि. ंडदान हुआ. उन्होंने कहा क्षिप्रा को भी मोक्षदायनी कहीं जाती है. जहां–जहां हमारे तीर्थ हैं वहां पर कोई ना कोई पवित्र नदी है.क्या पिंडदान के बाद लोग 84 लाख योनियों में नहीं जातेमहाराज जी कहते हैं कि, पिंडदान से जीव को मुक्ति मिल जाती है और उसका 84 लाख योनियों में भटकना बंद हो जाता है. जिसका क्रिया विधान सब सही से हुआ उनका कहीं पुनर्जन्म हमने नहीं सुना है. आज तक अलग–अलग देश मिलाकर लगभग 40 देश में भ्रमण किया, लगभग 4 लाख किलोमीटर की यात्रा की पर आज तक कभी किसी पुनर्जन्म की बात नहीं सुनी. उन्होंने कहा हमारे सनातन की जो परंपरा है वह इतनी शास्त्रयुक्त है और इतनी वैज्ञानिक है. क्योंकि हमारे शास्त्रों को ऋषि मुनि वै. ज्ञानिकों ने शोध करके इसे बनाया है और उन मंत्रों से जब क्रिया की जाती है तो जीव की मुक्ति हो जाती है.

गले की नसों के लिए कितना खतरनाक है . चाकू का वार, क्या हो सकती है दिक्कत?

बॉलीवुड ऐक्टर सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में घुसकर एक अज्ञात व्यक्ति ने चोरी की कोशिश करते हुए में उन पर चाकू से हमला किया. हमले के दौरान उनके गले, हाथ और चाकू से वार किया गया है. जिसमें वह घायल हो गए हैं. हमले के बाद ऐक्टर को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया और बताया जा रहा है कि वह खतरे से बाहर हैं. पुलिस के मुताबिक आरोपी सैफ अली खान के घर में घुसे और दोनों के बीच झगड़ा हुआ.जिसके बाद ऐक्टर को चाकू मार दिया गया. एक अधिकारी ने बताया कि घटना के समय ऐक्टर के कुछ पारिवारिक सदस्य घर में मौजूद थे. सैफ पर चाकू से वार किया गया जिसमें सैफ पर धारदार हथियार से छह बार हमला हुआ. इस हमले में उनकी गर्दन, बायीं कलाई, छाती पर चोट आई है और चाकू का एक छोटा हिस्सा उनकी रीढ़ की हड्डी में भी लगा है. सूत्रों ने बताया रीड की हड्डी में लगी चोट की वजह से ओपेरेशन करने की जरूरत पड़ी.गर्दन की गले की नसों पर चाकू से वार करने के कारण ब्लड के थक्के बन सकते हैं. इसके बाद इंफेक्शन छाती में फैल सकता है. कभी–कभी सूजन बहुत बढ़ जाती है और ब्लड सर्कुलेशन में गंभीर इंफेक्शन हो सकता है. जिसके कारण ऑर्गन फेल हो सकते हैं. चाकू से गले पर चोट लगने से पूरे शरीर में होने लग सकता है इंफेक्शन इंटरनल जुगुलर वेन दिमाग, चेहरे और गर्दन में ब्लड पहंचाने का काम करती है. ब्लड दाएं आलिंद में पहुंचाती है. इंटरनल जुगुलर शिरा सिग्मॉइड साइनस का एक रन ऑफ है. यह खोपड़ी के चारों तरफ होती है और खोपड़ी के आसपास स्थित जुगुलर फा. `रामेन के माध्यम से कपाल से बाहर निकलती है. चूंकि आंतरिक जुगुलर शिरा पार्श्व गर्दन से नीचे जाती है. इसलिए यह चेहरे, रेट्रोमैंडिबुलर और लिंगुअल नसों में खून पहुंचाने का काम करती है. गर्दन पर चाकू से किया गया घाव हमेशा घातक नहीं होता, लेकिन यह बेहद गंभीर और जानलेवा हो सकता है. गर्दन में महत्वपूर्ण संरचनाएं होती हैं. जिनमें प्रमुख रक्त वाहिकाएं (जैसे कैरो टिड धमनियां और जुगुलर नसें), श्वा. सनली, ग्रासनली और रीढ़ की हड्डी शामिल हैं. गर्दन पर चाकू से किए गए घाव का परिणाम कई कारकों पर निर्भर करता है.घाव का स्थानरू यदि चाकू महत्वपूर्ण संरचनाओं, जैसे कि प्रमुख धमनियों या रीढ़ की हड्डी में घुस जाता है तो मृत्यु का जोखिम काफी बढ़ जाता है. प्रवेश की गहराईरू एक उथला घाव केवल सतही क्षति का कारण बन सकता है, जबकि एक गहरा घाव गंभीर आंत. रिक रक्तस्राव या महत्वपूर्ण अंगों को चोट पहुंचा सकता है. त्वरित चिकित्सा प्रतिक्रिया जीवित रहने की संभावनाओं को बहुत बेहतर बना सकती है. आपातकालीन इलाज में रक्तस्राव को नियंत्रित करना. क्षतिग्रस्त संरचनाओं की मरम्मत करना और संक्रमण को रोकना शामिल हो सकता है. ओवर ऑल हेल्थ किसी व्यक्ति की पहले से मौजूद स्वास्थ्य स्थितियां भी परिणामों को प्रभावित कर सकती हैं.

किन चीजों में मिलाकर पीनी चाहिए अर्जुन की छाल, जानें कैसे मिलता है असली फायदा

हाई ब्लड प्रेशर, अस्थमा, खांसी और डायरिया जैसी बीमारियों में रामबाण माने जाने वाली अर्जुन की छाल एक ऐसी जड़ी–बूटी है, जिसका इस्तेमाल आयुर्वेद में खूब किया जाता है. अर्जुन के पेड़ का साइंटिफिक नाम है. इस पेड़ के तने यानी छाल का इस्तेमाल आयुर्वेद में औषधि की तरह किया जाता है. इसके सेवन से कई फायदे होते हैं. हार्ट प्रॉब्लम्स भी दूर रहती हैं.ब्लॉकेज, स्ट्रोक का खा खतरा भी कम होता है. अर्जुन की छाल के एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे गुण दिल की सेहत के लिए खासतौर पर फायदेमंद होते हैं. ऐसे में आइए जानते हैं इस छाल को किन चीजों में मिलाकर पीनी चाहिए, ताकि इसका असली फायदा मिल सके.अर्जुन की छाल के फायदे1. दिल की समस्याओं को कम करे, सेहत दुरुस्त रखे.2. ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखे.3. कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद.4. पाचन तंत्र को मजबूत बनाए.5. इम्यून सिस्टम को मजबूत रखे.अर्जुन की छाल का सेवन कब करना चाहिएआयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि बिना किसी एक्सपर्ट्स की सलाह के इस छाल का उपयोग नहीं करना चाहिए. लंबे समय तक इसका सेवन करने से भी बचना चाहिए. हफ्ते या महीने में एक–दो बार ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए. आयुर्वेदिक डॉक्टर के बताए खुराक के हिसाब से ही इसका सेवन करना फायदेमंद है.अर्जुन की छाल किन चीजों में मिलाकर पीनी चाहिए1. अर्जुन की छाल को पानी में उबालकर पीने से हार्ट की हेल्थ बेहतर होती है.2. अर्जुन की छाल को दूध में मिलाकर पीना फायदेमंद होता है. इससे शरीर को मजबूती मिलती है.3. शहद में अर्जुन की छाल मिलाकर पीने से शरीर में एनर्जी बनी रहती है और दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है.4. अदरक के रस में अर्जुन की छाल मिलाकर पीने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है.5. अर्जुन की छाल को तुलसी के रस में मिलाकर पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी मजबूत होती है.

क्या वाकई इन आठ फूड्स से बच्चों को होती है एलर्जी? खुद ही जान लें हकीकत

आपके बच्चे को कौन सी चीज खाने से एलर्जी है इस बात का पता कैसे कर सकते हैं? इसका पता लगाना बेहद तनावपूर्ण हो सकता है. आपको वक्त रहते इसका पता लगाना चाहिए बच्चे को क्या खाने से एलर्जी है? साल 2007 और 2021 के बीच एलर्जी वाले फूड आइटम से बच्चों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. मार्केट में जितनी तेजी से फूड आइटम आ रहे हैं उतनी ही तेजी से इससे होने वाले एलर्जी के बारे में भी पता चल रहा है.इन सब के बारे में गलत धारणाएं भी बढ़ती हैं. कुछ मिथक खत. रनाक हो सकते हैं. जैसे कि यह सोचना कि एलर्जी की प्रतिक्रिया को रोकने के लिए बेनाड्रिल एपिनेफ्रीन ऑटो–इंजेक्टर (एपिपेन) जितना ही अच्छा है.अपने बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए फूड एलर्जी के बारे में सभी तथ्यों को जानना महत्वपूर्ण है. यहाँ कुछ सबसे आम मिथकों के पीछे की सच्चाई बताई गई है.मां का दूध बच्चे की इम्यूनटी बढ़ाने का भी काम करता है, लेकिन जैसे ही बच्चे सॉलिड फूड पर आते हैं कई बच्चों को खाने–पीने की कुछ चीजों से एलर्जी हो जाती है. हालांकि 6 महीने से 3 साल तक के बच्चों में ये एलर्जी एक आम समस्या है. लेकिन कई बार इससे कई और समस्याएं भी हो जाती है. आज हम आपको बता रहे हैं कि बच्चों को कौन–कौन से फूड से एलर्जी होती है. आप कैसे पता करेंगे कि बच्चे को इस फूड से एलर्जी है. एलर्जी के लक्षण और बचाव क्या हैं. जानते हैं.जो बच्चे 6 से 12 महीने की उम्र के होते हैं जिन्हें डॉक्टर कुछ ठोस आहार देने की सलाह देते हैं, ऐसे बच्चों को कुछ खाने की चीजों से एलर्जी हो जाती है. कुछ बच्चों में एलर्जी की समस्या 3 साल तक भी चल सकती है. वैसे तो एलर्जी के पीछे कोई खास वजह नहीं है लेकिन बच्चों को प्रतिरक्षा प्रणाली की विपरीत प्रक्रिया को फूड एलर्जी का कारण मानते हैं. कौन सी चीजों से होती है बच्चों को एलर्जी?ज्यादातर बच्चों को फूड एलर्जी मूंगफली, मछली, अंडा, गेहूं, बदाम, काजू, सोया दूध, सोयाबीन, तिल जैसी चीजों से हो सकती है.बच्चों में फूड एलर्जी के लक्षण बच्चों को उल्टी और दस्त होना पेट में ऐंठन और दर्द होना स्किन में किसी तरह के दाने और एलर्जी दिखना सांस लेने में तकलीफ होना पेट में ज्यादा गैस होना मुंह में सूजन आना मुंह में खुजली और आसपास रैशेज होना बच्चे का लगातार छींकना होंठों के पास सूजन आ जाना सबसे पहले जब भी बच्चे को कई नया भोजन दें, उसके 72 घंटे तक कोई भी नई दूसरी चीज खाने के लिए न दें. इससे आपको फूड एलर्जी के बारे में पता चल जाएगा. अगर बच्चे को किसी चीज से फूड एलर्जी हुई है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और पता करें बच्चे को कौन से चीज से एलर्जी है.डॉक्टर की सलाह पर बच्चे की डाइट से उस चीज को हटा दें जिससे बच्चे को एलर्जी हो रही है.– बच्चे को ज्यादा से ज्यादा ब्रेस्ट फीड कराएं, इससे बच्चा तेजी से रिकवर करेगा.

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मौ:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा